[श्री मनीराम बागड़ी]

कर शहीद भगत सिंह स्मारक समिति पिलानी ने राज्य सरकार और केन्द्र सरकार से ऐसे असामाजिक तत्व, जो देश में पूंजीवाद का सहारा ले कर राष्ट्र के सबसे बड़े शहीद का अपमान करके राष्ट्रीयता का अपमान किया, को सजा दिलवाने की मांग की परन्तु इस साजिश में जो शहीदेआजम भगत सिंह की मूर्ति वहां से उठा कर भारत के किसी बड़े उद्योपति का बुत वहां लगाना चाहते हैं, के असर के नीचे आ कर जांच नहीं की और की तो गलत की, जिसका कोई नतीजा नहीं निकला।

मैं सदन के माध्यम से गृह मंत्री जी से चाहूंगा कि तुरन्त सी० बी० आई० द्वारा जांच करवायें, मुजरिमों को गिरफ्तार करें और प्रतिमा को खंडित करने वालों को और इस साजिश में शामिल लोगों को सख्त सजा दें और प्रतिमा को उस वक्त तक ढांक दिया जाये जब तक कि नयी प्रतिमा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की लगाई नहीं जाती।

अंग्रेजों ने शहीद-ए-आजम को सजा शहादत के रूप में दी जो देश की आजादी की कीमत थी। लेकिन कितने दुर्भाग्य की बात है कि देश में ऐसे लोग भी हैं जो प्रतिमा का अपमान करके भारत मां का अपमान करते हैं।

समूचा सदन अपना रोष और खेद स अमानवीय घटना पर प्रकट करता है, ऐसा मैं मानता हूं।

यह उसकी तस्वीर है जो प्रतिमा को अपमानित किया गया है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि श्री भीष्म नारायण सिंह और सारे सदन को इस पर अपना रोष प्रकट करना चाहिये। शहीद भगत सिंह की कोई मामूली बात नहीं है। शहीदे आजम भगत सिंह का अपमान समूचे राष्ट्र का अपमान है।

संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): इसकी जितनी निन्दा की जाए कम है। मैं गृह मंत्री जी के ध्यान में इसको लाऊंगा।

(vi) NEED TO STOP PRIVATE AGENCY SYSTEM FOR BOOKING CARGO AND PASSENGERS AT MADRAS AWARDED BY SHIPPING CORPORATION OF INDIA

SHRI D. S. A. SIVAPRAKASAM (Tirunelveli) The Shipping Corporation of India has authorised capital of Rs. 25 crores and issued capital of Rs. 21.95 crores. This is an entirely Central Government organisation. The Corporation runs both cargo and passenger vessels. The Corporation has no Commission agency in Calcutta and in Bombay for loading and unloading of cargo and also for booking of passengers. But in Madras it has a Commission Agency for this work. The revenue which should acrue to the Shipping Corporation goes to the Commission Agency in Madras. The Shipping Corporation runs the passenger vessel M. V. Chidambaram from Madras and in this vessel a nominee-concern of this Commission Agency is running a canteen. They are amassing huge profits through this canteen. In the reservation of tickets for passengers travelling to Andaman and Singapore through this Commission Agency there are many drawbacks and deficiencies.

The officials have got a wrong notion that Madras Port is a Wayside Port. This is not only wrong but also an insult to Tamil Nadu. For example, the vessel M. V. Chidambaram goes to Singapore from Madras and returns to Madras from Singopore. This itself proves that Madras port is

not a way-side port. Like Bombay and Calcutta, Madras is also a national port.

I demand that the Government should pay attention to the following:

Why should not the system of awarding the agency to a private individual at Madras be stopped, since there is not private agency at other Forts?

Is it impossible for the Shipping Corporation of India to run this job by itself?

Is the private Commission agency more competent and talented than the Shipping Corporation of India?

Is there any interference from bureaucrats in the Shipping Corporation for ending this private agency system?

In the interest of the people and also in the interest of Shipping Corporation, the Central Government should direct the Shipping Corporation of India to end this private agency system at Madras immediatly.

(vii) RELIEF MEASURES FOR PEOPLE AFFECTED BY HAILS FROM IN FARRUKHA-

श्री छोटे सिंह यादव (कन्नौज) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद और इटावा जनपद में दिनांक 24-3-82 को भीषण उपलवृष्टि हुई करीब ऐतिहासिक एक-एक किलो से अधिक वजन के ओले गिरे।

सभापति महोदय : मेरे जिले में तो ढाई किलो वजन का ओला गिरा।

श्री छोटे सिंह यादव : करीब 800 ग्रामों के 15 करोड़ से अधिक रुपये की फसल बर्बाद हुई। सैंकड़ों पशु तथा हजारों पक्षी मरे। विशुनगढ़ निवासी मिठु लाल शाक्य को उक्त उपलवृष्टि देखते ही दिल का दौरा पड़ गया और वे घटनास्थल पर ही मर गये। इतनी भीषण उपलवृष्टि एक शतक में इस क्षेत्र में कभी नहीं हुई थी। फलस्वरूप लोगों के पास खाने-पीने का कुछ शेष नहीं बचा है। तमाम लोग घर छोड़ने पर विवश हो रहे हैं। लेकिन सबसे खेद एवं आश्चर्य की बात है कि प्रशासन द्वारा अभी तक कोई राहत कार्य नहीं आरम्भ हुआ है। यही स्थिति पड़ौसी जनपद मैनपुरी और आगरा की है

उक्त इलाके के गरीब एवं भुक्तभोगी किसान एवं गरीब जनता ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन करके उनकी लगान, सिंचाई, सहकारिता, राजस्व तथा बिजली के बिलों की माफी तथा उस क्षेत्र में उचित दर की दुकानें खोलने, खाद्यान्न योजना के अन्तर्गत काम शुरू किये जाने अनुदान । भुगतान चैकों द्वारा वितरण किये जाने, बच्चों के स्कूल फीस आदि की माफी की मांग की है।

अतएव सदन के माध्यम से सकरार से साग्रह निवेदन है कि उक्त क्षेत्रों के गरीब किसानों एवं पीड़ित लोगों की सुविधा एवं राहत कार्य अविलंब शुरू करने की व्यवस्था की जाये।

13.25 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1982-83—*contd.*

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS—*contd.*

MR. CHAIRMAN: The House will now resume further discussion on the Ministry of External Affairs.

Shri Madhavrao Scindia will continue his speech.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (Guna): Mr. Chairman, Sir, had yesterday talked how the entire world situation was in a state of flux, a prismatic world whose view was hazy, a